समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था की 42 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, विश्वास और सहकार के दम पर ₹100 करोड़ जमा का ऐतिहासिक मुकाम

Sanket Morankar

Published on 26 Aug 2026

महाराष्ट्र के अलीबाग में सहकार क्षेत्र में विश्वास, पारदर्शिता, निरंतर सेवा और सदस्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही **सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था मर्या., अलीबाग** ने अपनी 42 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। **31 मार्च 2026 को संस्था ने ₹100 करोड़ की जमा राशि का महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया।**

यह उपलब्धि केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों सभासदों के विश्वास, संचालक मंडल के नेतृत्व, कर्मचारियों की मेहनत और संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के योगदान का परिणाम है।

17 फरवरी 1984 को रखी गई सहकार की नींव

सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था की स्थापना **17 फरवरी 1984** को हुई। संस्था के संस्थापक **मा. श्री. रमेश नाईक** ने सहकार के माध्यम से आम लोगों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने और उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का सपना देखा।

उस समय संसाधन सीमित थे, सभासदों की संख्या सीमित थी और आर्थिक क्षमता भी बहुत बड़ी नहीं थी। लेकिन संस्था से जुड़े पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने ईमानदारी तथा समर्पण के साथ काम करते हुए सभासदों का विश्वास जीतना शुरू किया।

संस्था ने शुरुआत से ही यह मानकर काम किया कि **सभासदों का विश्वास ही उसका वास्तविक पूंजी है।**

छोटे पौधे से मजबूत वटवृक्ष तक का सफर

स्थापना से लेकर आज तक का 42 वर्षों का सफर अनेक चुनौतियों, बदलावों और अवसरों से भरा रहा है। समय के साथ सहकार क्षेत्र में नए नियम आए, बैंकिंग व्यवस्था बदली, तकनीक का विस्तार हुआ और ग्राहकों की अपेक्षाएं भी बदलती गईं।

इन सभी परिवर्तनों के बीच सावतामाळी पतसंस्था ने अपनी मूल विचारधारा को कायम रखा—**विश्वास, सुरक्षा, पारदर्शिता और**

सभासद-केंद्रित सेवा।

संचालक मंडल का मार्गदर्शन, सक्षम प्रबंधन, कर्मचारियों की मेहनत और सभासदों के विश्वास के समन्वय से संस्था ने धीरे-धीरे आर्थिक स्थिरता हासिल की और अपनी कार्यक्षमता का विस्तार किया।

सभासदों का विश्वास ही संस्था की सबसे बड़ी ताकत

सावतामाळी पतसंस्था की सफलता में उसके सभासदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है।

सभासदों की बचत को सुरक्षित रखना, आवश्यकता के समय उन्हें ऋण के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और उनकी आर्थिक प्रगति में भागीदार बनना संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल रहा है।

सभासदों ने भी संस्था पर भरोसा रखते हुए अपनी बचत और जमा राशि संस्था के पास रखी। किसी सभासद की छोटी बचत हो या बड़ी जमा—हर राशि के पीछे संस्था पर भरोसा जुड़ा हुआ है। संस्था ने इस विश्वास को अपनी सबसे बड़ी जिम्मेदारी माना।

आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए आगे बढ़ी संस्था

समय के साथ आर्थिक व्यवहारों का स्वरूप भी बदलता गया। पारंपरिक व्यवस्था से आधुनिक बैंकिंग और डिजिटल लेन-देन की ओर बढ़ते हुए संस्था ने तकनीक को अपनाया।

कंप्यूटरीकृत सेवाएं, आधुनिक सुविधाएं, तेज सेवा और सभासदों की बदलती जरूरतों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने का लगातार प्रयास किया गया।

खास बात यह रही कि आधुनिक तकनीक को अपनाने के साथ-साथ संस्था ने सभासदों के साथ अपने मानवीय संबंधों और आत्मीयता को भी उतना ही महत्व दिया। इस तरह **आधुनिकता और सहकार के मूल्यों के बीच संतुलन** बनाए रखने में संस्था सफल रही।

चुनौतियों के बीच भी जारी रही मजबूत यात्रा

सहकार क्षेत्र को समय-समय पर आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बदलती आर्थिक परिस्थितियों का प्रभाव सहकारी संस्थाओं पर भी पड़ा।

लेकिन हर चुनौती से सीख लेते हुए सावतामाळी पतसंस्था ने आगे बढ़ने की नीति अपनाई।

ऋण वितरण में अनुशासन, ऋण वसूली में निरंतरता, वित्तीय व्यवहारों में पारदर्शिता, नियमों का पालन और उचित आर्थिक नियोजन जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इससे संस्था की आर्थिक नींव लगातार मजबूत होती गई।

31 मार्च 2026 बना ऐतिहासिक दिन

संस्था के इतिहास में **31 मार्च 2026** का दिन विशेष महत्व रखता है। 42 वर्षों की निरंतर यात्रा के बाद सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था ने **₹100 करोड़ जमा राशि** का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया।

₹100 करोड़ केवल एक संख्या नहीं है। इसके पीछे हजारों सभासदों का विश्वास, संचालक मंडल की दूरदर्शिता, प्रबंधन की योजना, अधिकारी-कर्मचारियों की मेहनत और संस्था से जुड़े सभी हितधारकों का योगदान है।

इस उपलब्धि ने संस्था की विश्वसनीयता और सभासदों के भरोसे को और मजबूत किया है।

सामूहिक प्रयासों से बनी यह सफलता

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय किसी एक व्यक्ति या एक समूह को नहीं दिया जा सकता।

संस्थापक अध्यक्ष **मा. श्री. रमेश नाईक** द्वारा बोया गया सहकार का बीज आज एक मजबूत वटवृक्ष का रूप ले चुका है। संस्था के पूर्व अध्यक्षों, पूर्व संचालकों, वर्तमान संचालक मंडल, अधिकारियों, कर्मचारियों, सभासदों, जमाकर्ताओं, ऋणधारकों और शुभचिंतकों सहित संस्था से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक योगदान से यह सफलता संभव हुई है।

विशेष रूप से कर्मचारी वर्ग ने सभासदों को अपनापन और विश्वासपूर्ण सेवा प्रदान करते हुए संस्था की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई है।

₹100 करोड़ के बाद अब नई मंजिल की ओर

₹100 करोड़ जमा का आंकड़ा संस्था की यात्रा का अंत नहीं, बल्कि **एक नए अध्याय की शुरुआत** है।

भविष्य में सभासदों को और बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना, संस्था की आर्थिक क्षमता को और मजबूत करना, नई पीढ़ी को सहकार क्षेत्र से जोड़ना और अलीबाग-रायगढ़ क्षेत्र के आर्थिक विकास में अधिक प्रभावी योगदान देना संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल रहेगा।

संस्था का संदेश स्पष्ट है—

"आपका विश्वास, हमारी जिम्मेदारी और आपकी प्रगति—यही हमारा ध्येय है।"

42 वर्षों की यात्रा से उज्ज्वल भविष्य की ओर

17 फरवरी 1984 को लगाया गया सहकार का छोटा-सा पौधा **31 मार्च 2026 को ₹100 करोड़ की जमा राशि वाले मजबूत वटवृक्ष** में बदल चुका है।

यह यात्रा केवल आर्थिक विकास की कहानी नहीं है। यह **विश्वास, मेहनत, निष्ठा, पारदर्शिता और सहकार की शक्ति की सफलता की कहानी** है।

सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था मर्या., अलीबाग की यात्रा यह साबित करती है कि स्पष्ट उद्देश्य, सक्षम नेतृत्व, मेहनती कर्मचारी और सभासदों का अटूट विश्वास साथ हो तो बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

₹100 करोड़ की जमा राशि का ऐतिहासिक पड़ाव सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था के 42 वर्षों के सफर की गौरवशाली उपलब्धि है। 17 फरवरी 1984 को शुरू हुई यह संस्था आज विश्वास और सहकार के मजबूत आधार पर खड़ी है।

अब संस्था के सामने नई चुनौतियां और नए अवसर हैं। इस उपलब्धि के आधार पर आगे बढ़ते हुए आधुनिक वित्तीय सेवाओं, सदस्यहित और क्षेत्र के आर्थिक विकास को प्राथमिकता देना संस्था की अगली दिशा होगी।

"सहकार से समृद्धि की ओर... विश्वास से विकास की ओर!"

सावतामाळी नागरी सहकारी पतसंस्था मर्या., अलीबाग
₹100 करोड़ जमा — 31 मार्च 2026
एक गौरवशाली पड़ाव... एक उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत!

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.